

**बिहार सरकार
ग्रामीण कार्य विभाग**

सकल

सं०सं० :- 3/अ०प्र०-1-509/2012 / 1994 / पटना, दिनांक :- 5-7-24

निरानी विभाग, बिहार, पटना के पत्रांक 4349 दिनांक 20.08.2013 द्वारा श्री अखलाकृष्णमान, निविदाकार के परिवार पत्र के आलोक में कायपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल-2, अररिया द्वारा निविदा टू-बीड पद्धति के तहत आमंत्रित अत्यकालीन निविदा आमंत्रण संख्या 11/10-11 के निविदा रूप सं०-2, 6, 8, 18, 23 एवं 24 के निविदा प्रक्रिया की जाँच कर जाँच प्रतिवेदन उपलब्ध कराया गया।

2. जाँच प्रतिवेदन में पूरी निविदा शर्तिका के तकनीकी मूल्यांकन की समीक्षा की गई है। उक्त समीक्षा में रूप सं०-06, 18 एवं 24 के तकनीकी बीड का मूल्यांकन निविदा के शर्तों के अनुरूप नहीं पाया गया।

3. जाँच प्रतिवेदन के अनुसार रूप सं०-6 के संदर्भ में तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति द्वारा 10 मराठ मनीषा कन्सल्टिंग्स प्रा० लि० को प्रथम श्रेणी में निर्वाचित होने के कारण पर निविदा में अयोग्य किया गया, जबकि अभियंता प्रमुख-सह-अपर आयुक्त-सह-विशेष सचिव, पत्र निम्न विभाग, बिहार, पटना के पत्र सं०-326 दिनांक-22.01.2008 में उल्लिखित है कि उक्त श्रेणी में निर्वाचित ठीकदार अपने श्रेणी से नीचे की श्रेणी में सविदा खोलने हेतु योग्य माने जाएंगे। इस प्रकार निविदा समिति का यह निर्णय नियमानुक्रम नहीं है।

रूप सं०-6, 18 एवं 24 के संदर्भ में तकनीकी बीड मूल्यांकन समिति द्वारा तकनीकी बीड मूल्यांकन में Experience of doing work of similar Nature में निविदाकारों यथा सं० आरकॉन, सं० इफ्लार आलम, श्री कृष्ण रजन कुमार द्वारा समान प्रकृति के कार्य गए विभिन्न कार्यों को एक ही कार्य मानते हुए जो मार्क्स दिया गया है, वह Evaluation Criteria के अनुसार सही नहीं है। Evaluation Criteria में मूल्यांकन का आधार "If executed Single work of similar nature" है।

रूप सं०-18 में संबंधित निविदाकार श्री कृष्ण नन्दन प्रसाद के द्वारा निविदा के साथ Credit facility Certificate given by Indian Bank up 10% of BOQ समर्पित नहीं किया गया, परन्तु निविदा समिति द्वारा तकनीकी बीड मूल्यांकन में उन्हें इसके लिए 5 मार्क्स दिया गया है जो उचित नहीं है। श्री कृष्ण नन्दन प्रसाद द्वारा निविदा के साथ Bidding Capacity की गणना भी समर्पित नहीं की गई है। निविदा समिति द्वारा भी इनके Bidding Capacity की गणना नहीं की गई, परन्तु Bidding Capacity के लिए उन्हें 10 मार्क्स दिया गया है जो सही नहीं है। Timely Completion के Criteria में Marks देने हेतु संबंधित कायपालक अभियंता का प्रमाण-पत्र आवश्यक है। श्री कृष्ण नन्दन प्रसाद द्वारा निविदा के तकनीकी बीड के साथ कायपालक अभियंता का प्रमाण-पत्र संलग्न नहीं किया गया था, परन्तु निविदा समिति द्वारा तकनीकी बीड मूल्यांकन में श्री कृष्ण नन्दन प्रसाद को Timely Completion के Criteria में 05 मार्क्स दिया गया है, जो उचित नहीं है।

रूप सं०-18 एवं 24 में निविदाकार श्री संजय कुमार गुप्ता, श्री कृष्ण रजन कुमार एवं श्री आरकॉन की Details of Engineering Setup for Successful Completion of work के

बिहार राजपाल के आदेश से
 (बा० कालिदास कथाना)
 संपन्न सचिव

आदेश :- आदेश दिया जाता है कि संकल्प की प्रति बिहार राजपत्र के अगले असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय तथा सभी संबंधित को भज दी जाय।

आदेश अलग से निर्गत किया जाएगा।

8. श्री कुमार के विरुद्ध संदर्भित आरोपों की जाँच हेतु विभागीय कार्यवाही के संचालन का निर्वाह अग्रिम के मुख्यालय से देय होगा।

7. निर्वाह अग्रिम में श्री कुमार को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम 10 के संसर्गत प्रावधानों के तहत अनुमान्य जीवन निर्वाह भत्ता पटना का कार्यलय निर्धारित किया जाता है।

6. निर्वाह अग्रिम में श्री कुमार का मुख्यालय अभियंता प्रमुख, ग्रामीण कार्य विभाग, बिहार, किया जाता है।

5. अतएव उपर्युक्त परिप्रेक्ष्य में श्री मनोज कुमार, तदन कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमदल-2, अररिया समिति मुख्य अभियंता-1, ग्रामीण कार्य विभाग, बिहार, पटना के सचिव (प्रा०) को बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम 9(1)(क) के तहत तत्काल प्रभाव से निर्वाह करत हेतु विभागीय कार्यवाही के अधीन किया गया है।

4. जाँच प्रतिवेदन के समीक्षापरन्तु श्री मनोज कुमार, तदन कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमदल-2, अररिया, जाँ तकनीकी बौद्ध मूल्यांकन समिति के सदस्य के रूप में उक्त दोनों तकनीकी बौद्ध के निष्पादन से संबंधित, के विरुद्ध गुप सं०-06, 18 एवं 24 के तकनीकी बौद्ध का मूल्यांकन निर्वाह के शर्तों के अनुरूप नहीं पाये जाने संबंधी आरोपों पर आयु पत्र प्रपत्र-क' गठित कर विभागीय पत्रांक 2934 अर्जुन 20.09.2017 द्वारा वनसे स्पष्टीकरण की माँग की गई। श्री कुमार द्वारा कहे स्मार्तों के बाद अंततः अपना स्पष्टीकरण दिनांक 07.08.2023 को समर्पित किया गया एवं इन्होंने इन सब अनियमितताओं पर अपना स्पष्टीकरण देने के बजाय केवल श्री अखलाकरुहमान के द्वारा लगाये गये आरोप के संबंध में स्पष्टीकरण दिया गया। इस प्रकार स्पष्ट है कि इनके द्वारा न केवल स्पष्टीकरण देने में विलंब किया है बल्कि माँग गये स्पष्टीकरण से अलग हटकर अपनी जिम्मेवारी से बचने का प्रयास किया गया है।

Criteria में दो-दो मार्क्स दिया गया है, जबकि इस Criteria में marking का विकल्प 10, 05 अथवा 00 है।

